पंजाब केसरी 26/01/2025

मतदान करके हम अपने देश, राज्य और समाज उत्थान में योगदान दे सकते हैं : डा. रोहित दत्त

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेते जी.एम.एन. कॉलेज के विद्यार्थी। (देवदत्त)

अम्बाला, 25 जनवरी (बलराम): मतदान लोकतंत्र का अभिन्न अंग है और लोगों के लिए अपनी आवाज उठाना जरूरी है। मतदान करके हम अपने देश, राज्य और समाज के उत्थान में योगदान दे सकते हैं। हमें अपना वोट बर्बाद न करके इसका उपयोग करना चाहिए, क्योंकि चुनाव में जनता ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

जी.एम.एन. कॉलेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने शनिवार को यह बात कॉलेज में चुनावी साक्षरता प्रकोष्ठ, एन.एस.एस., वाई.आर.सी., राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन विभाग द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही।

इस मतदाता जागरुकता अभियान के दौरान विद्यार्थियों द्वारा थामी गई तख्तियों पर 'आपका वोट आपका अधिकार है, आपकी आवाज है' और 'मतदान करो, मतदाता बनो' जैसे संदेश प्रदर्शित किए गए। विद्यार्थियों ने मतदान के अधिकार के बारे में जागरुकता फैलाई 'मेरा वोट मेरा अधिकार है, एक वोट की शक्ति।'

कार्यक्रम में कॉलेज के विभिन्न प्रकोष्ठों और विभागों के लगभग 100 छात्रों ने इस अभियान में भाग लिया। विद्यार्थियों में जो उत्साह था, उसे देखा और महसूस किया जा सकता था। इस गतिविधि ने विद्यार्थियों और अन्य लोगों को उनके मताधिकार के बारे में जागरूक किया और लोगों को अपने मताधिकार का तार्किक रूप से उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए इसका आयोजन किया गया था।

डा. रोहित दत्त ने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों और छात्रों में अनिवार्य रूप से मतदान करने के लिए जागरुकता पैदा करना है। इसका उद्देश्य युवाओं को अपने वोट के माध्यम से चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना भी है। यह न केवल युवाओं को चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है, बल्कि इस तथ्य पर भी ध्यान केंद्रित करता है कि बोट देने का अधिकार एक बुनियादी अधिकार है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के इतिहास, महत्व, उद्धरण, थीम और भारत में इसे क्यों मनाया जाता है, इसके बारे में जानें। यह भारत के चुनाव आयोग की भूमिका पर भी प्रकाश डालता है।